विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

- *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 16 हैं।*
- *प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।*
- *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 18 प्रश्न हैं।*
- *कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।*
- *इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में - बजे किया जाएगा। - बजे से - बजे तक छात्र केवल प्रश्नपत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।*

(पाठ्यक्रम- ब) सकंलित परीक्षा -2

कक्षा - नवीं

विषय - हिंदी (ब)

(SA – 2)

निर्धारित समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक- 80

निर्देश :-

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख ग और घ।
2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

विषय – हिंदी (ब)

(SA – 2)

खंड – क

प्र01 अपठित गद्यांश–

जल और मानव–जीवन का संबंध अत्यंत घनिष्ठ है। वास्तव में जल ही जीवन है। विश्व की प्रमुख संस्कृतियों का जन्म बड़ी–बड़ी नदियों के किनारे ही हुआ है। बचपन से ही हम जल की उपयोगिता, शीतलता और निर्मलता के कारण उसकी ओर आकर्षित होते रहे हैं। किंतु नल के नीचे नहाने और जलाशय में डुबकी लगाने में ज़मीन–आसमान का अंतर है। हम जलाशयों को देखते ही मचल उठते हैं, उसमें तैरने के लिए। आज सर्वत्र सहस्त्रों व्यक्ति प्रतिदिन सागरों, नदियों और झीलों में तैरकर मनोविनोद करते हैं और साथ ही अपना शरीर भी स्वस्थ रखते हैं। स्वच्छ और शीतल जल में तैरना तन को स्फूर्ति ही नहीं मन को शांति भी प्रदान करता है।

तैराकी आनंद की वस्तु होने के साथ–साथ हमारी आवश्यकता भी है। नदियों के आसपास गाँव के लोग सड़क–मार्ग न होने पर एक दूसरे से तभी मिल सकते हैं जब उन्हें तैरना आता हो अथवा नदियों में नावें हों। प्राचीन काल में नावें कहाँ थीं? तब तो आदमी को तैरकर ही नदियों को पार करना पड़ता था। किंतु तैरने के लिए आदिम मनुष्य को निश्चय ही प्रयत्न और परिश्रम करना पड़ा होगा, क्योंकि उसमें अन्य प्राणियों की भाँति तैरने की जन्मजात क्षमता नहीं है। जल में मछली आदि जलजीवों को स्वच्छंद विचरण करते देख मनुष्य ने उसी प्रकार तैरना सीखने का प्रयत्न किया और धीरे–धीरे उसने इस कार्य में इतनी निपुणता प्राप्त कर ली कि आज तैराकी एक कला के रूप में गिनी जाने लगी। विश्व में जो भी खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं, उनमें तैराकी प्रतियोगिता अनिवार्य रूप से सम्मिलित की जाती है।

उपरोक्त गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प छाँट कर लिखिए।

(i) तैराकी के द्वारा लाभ प्राप्त होते हैं–

(क) मनोविनोद, शारीरिक स्फूर्ति व मानसिक शांति

(ख) शारीरिक स्फूर्ति, सम्मान व मानसिक शांति

(ग) मनोविनोद, सम्मान व मानसिक शांति

(घ) मनोविनोद, शारीरिक स्फूर्ति व सम्मान

(ii) प्राचीन काल में तैराकी मानव के लिए आवश्यक थी क्यों? 1

(क) मछलियों को पकड़ने के लिए

(ख) एक–दूसरे तक पहुँचने के लिए

(ग) प्रतियोगिताएँ जीतने के लिए

(घ) मनोरंजन का एकमात्र साधन होने के कारण

Zookrab
Game textbooks.kh away

(क) जलचरों द्वारा

(ख) पूर्वजों द्वारा

(ग) नभचरों द्वारा

(घ) निशाचरों द्वारा

(iv) मनुष्य के लिए 'तैराकी' है-

(क) अनायास प्राप्त हुई क्षमता

(ख) भाग्य से प्राप्त क्षमता

(ग) जन्मजात क्षमता

(घ) निरंतर अभ्यास से प्राप्त क्षमता

(v) तैराकी की विश्व में महत्ता प्रकट होती है-

(क) तैराकों को प्राप्त विशिष्ट सम्मान द्वारा

(ख) शिक्षा-क्षेत्र में प्राप्त छूट द्वारा

(ग) विभिन्न खेल-प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त होने से

(घ) तैराकों को प्राप्त आर्थिक सहायता द्वारा

प्र02 अपठित गद्यांश

यह घटना सन् 1899 की है। उन दिनों कोलकाता में प्लेग हुआ था। शायद ही कोई ऐसा घर बचा था जहां यह बीमारी न पहुंची हो। ऐसी विकट स्थिति में भी स्वामी विवेकानंद और उनके कई शिष्य रोगियों की सेवा-सुश्रुषा में जुटे हुए थे। वे अपने हाथों से नगर की गलियां और बाजार साफ करते थे और जिस घर में प्लेग कोई मरीज होता था, उन्हें दवा आदि देकर उनका उपचार करते थे। उसी दौरान कुछ लोग स्वामी विवेकानंद के पास आए। उनका मुखिया बोला, 'स्वामीजी, इस धरती पर पाप बहुत बढ़ गया है, इसलिए प्लेग की महामारी के रूप में भगवान लोगों को दंड दे रहे हैं। पर आप ऐसे लोगों को बचाने का यत्न कर रहे हैं। ऐसा करके आप भगवान के कार्यों में बाधा डाल रहे हैं।' मंडली के मुखिया कील ऐसी बातें सुनकर स्वामी जी गंभीरता से बोले, 'सबसे पहले तो मैं आप सब विद्वानों को नमस्कार करता हूँ।' इसके बाद स्वामी जी बोले, 'आप सब यह तो जानते ही होंगे कि मनुष्य इस जीवन में अपने कर्मो के कारण कष्ट और सुख पाता है। ऐसे जो व्यक्ति कष्ट से पीड़ित है और तड़प रहा है, यदि दूसरा व्यक्ति उसके घावों पर मरहम लगा देता है तो वह स्वयं ही पुण्य का अधिकारी बन जाता है। अब यदि आपके अनुसार प्लेग से पीड़ित लोग पाप के भागी हैं तो हमारे कार्यकर्ता इन लोगों की मदद कर रहे हैं तो हमारे जो कार्यकर्ता इन लोगों की मदद कर रहे हैं वे तो पुण्य के भागी बन रहे हैं। बताइए कि इस संदर्भ में आपको क्या कहना है?' उनकी बात सुनकर सभी लोग भौंचक्के रह गए और चुपचाप सिर झुकाकर वहां से चले गए।

उपरोक्त गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प छाँट कर लिखिए।

(i) कलकत्ता में कौन-सी महामारी फैली थी? 1

(क) चेचक

(ख) प्लेग

(घ) स्वाइन फ्लू

(ii) महामारी के विषय में कुछ लोगों की धारणा थी कि– 1

(क) यह ईश्वर का कहर है

(ख) इस पर नियंत्रण असंभव है

(ग) दवाओं द्वारा इसकी रोकथाम संभव है

(घ) लोगों को उनके पाप का दंड मिल रहा है

(iii) कुछ लोगों की दृष्टि में विवेकानंद जी द्वारा पीड़ितों की सेवा करना था–

(क) लोककल्याण में बाधा

(ख) लोककल्याण में सहायता

(ग) ईश्वर के कार्य में बाधा

(घ) ईश्वर के कार्य में सहायता

(iv) स्वामी विवेकानंद जी के अनुसार उनके तथा कार्यकर्ताओं द्वारा किया जा रहा कार्य था– 1

(क) मानवोचित कर्म

(ख) पाप कर्म

(ग) समाज सेवा

(घ) पुण्य का कार्य

(v) उपरोक्त गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है– 1

(क) दंड

(ख) महामारी

(ग) कर्मों का फल

(घ) पाप और पुण्य

प्र03 अपठित काव्यांश– 5

पूर्व चलने के, बटोही,
बाट की पहचान कर ले।
पुस्तकों में है नहीं
छापी गई इसकी कहानी,
हाल इसका ज्ञात होता
है न औरों की ज़बानी,

अनगिनत राही गए इस
राह से उनका पता क्या,
पर गए कुछ लोग इस पर
छोड़ पैरों की निशानी,
यह निशानी मूक होकर
भी बहुत कुछ बोलती है,

Zookitab same textbooks, klick away

पथ का अनुमान कर ले,
पूर्व चलने के, बटोही,
बाट की पहचान कर ले।

यह बुरा है या कि अच्छा
व्यर्थ दिन इस पर बिताना,
जब असंभव छोड़ यह पथ
दूसरे पर पग बढ़ाना,
तू इसे अच्छा समझ
यात्रा सरल इससे बनेगी,
सोच मत केवल तुझे ही
यह पड़ा मन में बिठाना,
हर सफल पंथी यही
विश्वास ले इस पर बढ़ा है,
तू इसी पर आज अपने
चित्त का अवधान कर ले,
पूर्व चलने के, बटोही,
बाट की पहचान कर ले।

उपरोक्त गद्यांश आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प छाँट कर लिखिए।

(i) **प्रस्तुत काव्यांश में 'बाट' से अभिप्राय है-** 1

(क) पगडंडी
(ख) जीवनपथ
(ग) मृत्युपथ
(घ) लक्ष्य

(ii) **मनुष्य को पथ की पहचान होती है-** 1

(क) पुस्तकों के माध्यम से
(ख) बुजुर्गों के माध्यम से
(ग) परिचित लोगों के माध्यम
(घ) व्यावहारिक अनुभव द्वारा

(iii) **काव्यांश में पैरों की निशानी द्वारा किन लोगों की ओर संकेत किया गया है?-** 1

(क) पूर्व में नए मुसाफ़िरों की ओर
(ख) मार्ग से भटके लोगों की ओर
(ग) संन्यासियों की ओर
(घ) महापुरुषों की ओर

(iv) **मार्ग की कठिनाइयाँ भी असमान हो जाती हैं-** 1

Zoopkitab Save textbooks, klick away

(ख)	नकारात्मक सोच से

(ग)	कल्पनाजीवी होने से

(घ)	अंधानुकरण से

**(v)	कवि के अनुसार मनुष्य का समय बर्बाद होता है–** 1

(क	अनावश्यक कार्यों से

(ख)	दुविधाग्रस्त होने से

(ग)	मार्ग के विषय में पूछताछ करने से

(घ)	अंधाधुंध धन कमाने से

**प्र04	अपठित काव्यांश–** 6

आओ वीरोचित कर्म करो
मानव हो कुछ तो शर्म करो
यों कब तक सहते जाओगे, इस परवशता के जीवन से
विद्रोह करो, विद्रोह करो

जिसने निज स्वार्थ सदा साधा
जिसने सीमाओं में बाँधा
आओ उससे, उसकी निर्मित जगती के अणु अणु कण कण से
विद्रोह करो, विद्रोह करो

मनमानी सहना हमें नहीं
पशु बन कर रहना हमें नहीं
विधि के मत्थे पर भाग्य पटक, इय नियति की उलझन से
विद्रोह करो, विद्रोह करो

विप्लव गायन गाना होगा
सुख स्वर्ग यहाँ लाना होगा
अपने ही पौरुष के बल पर, जर्जर जीवन के क्रन्दन से
विद्रोह करो, विद्रोह करो

क्या जीवन व्यर्थ गँवाना है
कायरता पशु का बाना है
इस निरुत्साह मुर्दा दिल से, अपने तन से, अपने तन से

उपरोक्त काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प छाँट कर लिखिए।

**(i)	मनुष्य के लिए शर्मनाक है–**

(क)	स्वार्थी भावनाएँ

(ग) विरोचित कार्य
(घ) विद्रोह

(ii) 'स्वार्थ साधना व सीमाओं में बाँधना'– संकेत करता है–

(क) आतंकवाद की ओर
(ख) राजतंत्र की ओर
(ग) प्रजातंत्र की ओर
(घ) पंचतंत्र की ओर

(iii) 'विधि के मत्थे भाग्य पटक' पंक्ति किन व्यक्तियों की ओर संकेत करती है? 1

(क) आशावादी
(ख) निराशावादी
(ग) भाग्य वादी
(घ) कर्मवादी

(iv) पृथ्वी पर स्वर्ग स्थापित होगा– 1

(क) मनुष्य की पारस्परिक एकता से
(ख) ईश्वर के प्रति सच्ची भक्ति से
(ग) मनुष्य की विविध कल्पनाओं से
(घ) मनुष्य के परिश्रम व साहस से

(v) काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है– 1

(क) कर्म करो
(ख) शर्म करो
(ग) विद्रोह करो
(घ) क्रांति करो

खंड – ख

प्र05 **(i) 'कृत्रिम' शब्द का वर्ण विच्छेद है–** 1

(क) क् + र् + त् + र् + इ + म् +अ
(ख) क् + ऋ् + त् + इ + र् + अ + म् + अ
(ग) क् + ॠ + त् + र् + इ + म् + अ
(घ) क् + ॠ + त् + र + इ + म + अ

(ii) 'विरुद्ध' शब्द का वर्ण-विच्छेद है– 1

(क) वि + रू + द् + ध् + अ
(ख) ब् + इ + र् + द् + ध् + अ
(ग) ब + इ + र + उ + द + ध + अ
(घ) व् + इ + र् + उ + द् + ध् + अ

(iii) 'संस्थान' शब्द में उपसर्ग है– 1

Koopykitab Same textbooks, klick away

(ख) सम्

(ग) सं

(घ) सस्

(iv) **'आवट' प्रत्यय युक्त शब्द है-** 1

(क) घबराहट

(ख) लिखावट

(ग) खटपट

(घ) चिल्लाहट

प्र06 **(i)** **'दीपक' शब्द का पर्यायवाची है-** 1

(क) तारक

(ख) मयूख

(ग) पावक

(घ) चिराग

(ii) **'युद्ध' शब्द का पर्यायवाची नहीं है-** 1

(क) समर

(ख) संग्राम

(ग) रण

(घ) दहन

(iii) **'अंतरंग' का सही विलोम शब्द है-** 1

(क) नबरंग

(ख) बहिरंग

(ग) सर्वांग

(घ) प्रत्यंग

(iv) **'व्यक्तिगत' का सही विलोम शब्द है-** 1

(क) निजी

(ख) आत्मिक

(ग) सार्वजनिक

(घ) सामाजिक

प्र07 **(i)** **'जल' शब्द के सही अनेकार्थी रूप हैं-** 1

(क) जलना, जलाशय

(ख) नीर, सरिता

(ग) पानी, वारी

(घ) पानी, जलना

(ii) **'विधि' शब्द का अनेकार्थी शब्द नहीं है-** 1

(क) विधाता

(ख) प्रयोग

Koopykitab Same textbooks, click away

(घ) कानून

(iii) 'किसी बात को बढ़ा-चढ़ा कर कहना' के लिए एक शब्द है- 1

(क) तिल का ताड़ बनाना

(ख) बड़ बोला पन

(ग) अतिशयोक्ति

(घ) अन्योक्ति

(iv) 'सनातन' शब्द के लिए उपयुक्त वाक्यांश है- 1

(क) शीघ्र समाप्त होने वाला

(ख) कभी समाप्त न होने वाला

(ग) दशकों से चला आने वाला

(घ) युगों से चला आने वाला

प्र08 **(i) 'रामन् के पिता विशाखापत्तनम् में गणित और भौतिकी के शिक्षक थे'– वाक्य में उद्देश्य छाँटिए-**

(क) रामन्

(ख) रामन् के पिता

(ग) रामन् के पिता विशाखापत्तनम् में

(घ) गणित और भौतिकी के शिक्षक थे

(ii) 'भारत के वीर सैनिक हर कदम पर वीरता की परीक्षा देते हैं'– वाक्य में विधेय छाँटिए- 1

(क) भारत

(ख) भारत के वीर सैनिक

(ग) हर कदम पर वीरता की परीक्षा देते हैं

(घ) वीरता की परीक्षा देते हैं

(iii) मानसून आया/तेज़ वर्षा आरंभ हो गई। वाक्यों का उपयुक्त सरल वाक्य है- 1

(क) मानसून आया और तेज वर्षा आरंभ हो गई।

(ख) जैसा ही मानसून आया वैसे ही तेज वर्षा आरंभ हो गई।

(ग) जब मानसून आया, तेज वर्षा आरंभ हो गई।

(घ) मानसून आते ही तेज वर्षा आरंभ हो गई।

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में से सरल वाक्य छाँटकर लिखिए। 1

(क) यह जो 'कामायनी' पुस्तक है, इसे 'जयशंकर प्रसाद' ने लिखा था।

(ख) 'कामायनी' पुस्तक, 'जयशंकर प्रसाद' ने लिखी थी।

(ग) यह 'कामायनी' पुस्तक है और इसे 'जयशंकर प्रसाद' ने लिखा था।

(घ) 'जयशंकर प्रसाद' ने जिस पुस्तक को लिखा था, उसका नाम 'कामायनी' है।

प्र09 **(i) निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में उचित विराम चिह्न प्रयुक्त हैं-** 1

(क) ''माँ ने कहा राहुल पढ़ते-पढ़ते खाना खा लो।

(ख) माँ ने कहा राहुल पढ़ते-पढ़ते खाना खा लो।

Copykitab sample textbooks, klickaway

(घ) "माँ ने कहा, राहुल, पढ़ते-पढ़ते खाना खा लो।"

(ii) (!) विराम चिह्न का नाम है- 1

(क) पूर्णविराम

(ख) अर्द्ध विराम

(ग) प्रश्नवाचक

(घ) विस्मय वाचक

(iii) 'दिल में बात बैठना' मुहावरे का अर्थ है- 1

(क) बात बुरी लग जाना

(ख) बीमार पड़ जाना

(ग) गहरा प्रभाव पड़ना

(घ) किसी बात को अच्छी तरह समझ जाना

(iv) सभ्यता और संस्कृति की दृष्टि से विश्व में भारत के .... नहीं है। रिक्त स्थान पूर्ति उचित मुहावरे द्वारा कीजिए। 1

(क) सूरज न डूबना

(ख) जोड़ न होना

(ग) धूम होना

(घ) धाक जमाना

खंड - ग

प्र010 **काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए-** 5

उभरी नसोंवाले हाथ
घिसे नाखूनोंवाले हाथ
पीपल के पत्ते-से नए-नए हाथ
जूही की डाल-से खुशबूदार हाथ
गंदे कटे-पिटे हाथ
ज़ख्म से फटे हुए हाथ
खुशबू रचते हैं हाथ
खशबू रचते हैं हाथ।
यहीं इस गली में बनती हैं
मुल्क की मशहूर अगरबत्तियाँ
इन्हीं गंदे मुहल्लों के गंदे लोग
बनाते हैं केवड़ा गुलाब खस और रातरानी
अगरबत्तियाँ
दुनिया की सारी गंदगी के बीच
दुनिया की सारी खुशबू
रचते रहते हैं हाथ
खुशबू रचते हैं हाथ

Zoopkitab
Same textbooks, klick away

खुशबू रचते हैं हाथ
खुशबू रचते हैं हाथ।

(i) 'पीपल के पत्ते से हाथ' संकेत करते हैं-

1

(क) युवती की ओर
(ख) चित्रकार की ओर
(ग) बाल मज़दूरों की ओर
(घ) शिल्पकार की ओर

(ii) हाथों की दुर्दशा का कारण है- 1

(क) दुर्घटनाग्रस्त होना
(ख) उचित देखभाल न करना
(ग) मार-पिटाई के कारण
(घ) अत्यधिक कार्य करना

(iii) मज़दूरों के जीवन का विडंबना है- 1

(क) सतत् परिश्रम का उचित फल प्राप्त न होना।
(ख) अभाव व कष्ट में रहकर समाज को सुविधाएँ देना।
(ग) परिश्रम का उचित फल प्राप्त होना।
(घ) आलस्य व निष्क्रियता के कारण गरीबी।

(iv) विभिन्न प्रकार की खुशबूदार अगरबत्तियाँ बनती हैं- 1

(क) बड़ी-बड़ी बस्तियों में
(ख) बड़े-बड़े कारखानों में
(ग) शहर के मध्य बसे साफ मुहल्लों में
(घ) गंदे मुहल्लों में

(v) काव्यांश का मुख्य उद्देश्य है- 1

(क) अगरबत्ती निर्माण के विषय में बनाना
(ख) गंदे मुहल्लों के विषय में बनाना
(ग) सामाजिक विषमताओं को उजागर करना
(घ) विभिन्न प्रकार की अगरबत्तियों के विषय में बताना

अथवा

गाकर गीत विरह के तटिनी
वेगवती बहती जाती है
दिल हलका कर लेने को
उपलों से कुछ कहती जाती है।
तट पर एक गुलाब सोचता,
''देते स्वर यदि मुझे विधाता,
अपने पतझर के सपनों का

Kopykitab
Some textbooks, klick away

गा-गाकर बह रही निर्झरी,
पाटल मूक खड़ा तट पर है।
गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

(i) नदी गीत गा रही है- 1

(क) प्रेम के

(ख) मिलन के

(ग) व्यथा के

(घ) भक्ति के

(ii) नदी अपना दिल हलका करती है- 1

(क) निरंतर प्रवाहित होकर

(ख) गुलाब से बातचीत कर

(ग) मनुष्य से बातचीत द्वारा

(घ) तटों से बातचीत द्वारा

(iii) गुलाब का हृदय व्यथित है क्योंकि- 1

(क) वह नदी की तरह प्रवाहित नहीं हो सकता

(ख) ईश्वर ने उसे चुभने के

(ग) ईश्वर ने उसे बोलने की शक्ति नहीं दी

(घ) ईश्वर ने उसका जीवन क्षणभंगुर बनाया

(iv) 'पतझर के सपनों का गीत' कौन किसे सुनाना चाहता है?- 1

(क) गुलाब - नदी को

(ख) गुलाब - संसार को

(ग) गुलाब - ईश्वर को

(घ) गुलाब - काँटों को

(v) कवि की सुविधा है- 1

(क) गीत सुंदर है?

(ख) अगीत सुंदर है?

(ग) गीत - अगीत दोनों सुंदर हैं?

(घ) गीत - अगीत दोनों सुंदर नहीं हैं?

प्र011 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर संक्षेप में लिखिए- 2×2-5=5

(क) महादेवजी की लिखावट की क्या विशेषताएँ थी?

(ख) रामन् के प्रारंभिक शोधकार्यों को आधुनिक हठयोग क्यों कहा गया?

(ग) कौन-सा आघात अप्रत्याशित था और उसका लेखक पर क्या प्रभाव पड़ा?

(घ) महादेव भाई की अकाल मृत्यु का क्या कारण था?

प्र012 ''तिरस्कृत व उपेक्षित कीचड़ में सौंदर्य भी हैं और वह उपयोगी भी हैं''– तर्क देकर सिद्ध करें। 5

zoopkitab Same textbooks, a click away

मनुष्य की भलमनसाहत की कसौटी केवल उसका आचरण होना चाहिए, क्यों? तर्कपूर्ण उत्तर दें।

प्र013 निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

आज तुम्हारे आगमन के चतुर्थ दिवस पर यह प्रश्न बार-बार मन में घुमड़ रहा है- तुम कब जाओगे, अतिथि?

तुम जहाँ बैठ निस्संकोच सिगरेट का धुँआ फेंक रहे हो, उसके ठीक सामने एक कैलेंडर है। देख रहे हो ना! इसकी तारीखें अपनी सीमा में नम्रता से फड़फड़ाती रहती हैं। विगत दो दिनों से मैं तुम्हें दिखाकर तारीखें बदल रहा हूँ। तुम जानते हो, अगर तुम्हें हिसाब लगाना आता है कि यह चौथा दिन है, तुम्हारे सतत आतिथ्य का चौथा भारी दिन! पर तुम्हारे जाने की कोई संभावना प्रतीत नहीं होती। लाखों मील लंबी यात्रा करने के बाद वे दोनों एस्ट्रॉनाट्स भी इतने समय चाँद पर नहीं रुके थे, जितने समय तुम एक छोटी-सी यात्रा कर मेरे घर आए हो। तुम अपने भारी चरण-कमलों की छाप मेरी ज़मीन पर अंकित कर चुके, तुमने एक अंतरंग निजी संबंध मुझसे स्थापित कर लिया, तुमने मेरी आर्थिक सीमाओं की बैंजनी चट्टान देख ली; तुम मेरी काफ़ी मिट्टी खोद चुके। अब तुम लौट जाओ, अतिथि! तुम्हारे जाने के लिए यह उच्च समय अर्थात् हाईटाइम है। क्या तुम्हें तुम्हारी पृथ्वी नहीं पुकारती?

(क) लेखक ने कैलेंडर का उदाहरण क्यों दिया है? 1

(ख) ''एस्ट्रॉनाट्स' का उल्लेख किस संदर्भ में व क्यों किया गया है? 1

(ग) 'आर्थिक सीमाओं की बैंजनी चट्टान' से लेखक का क्या अभिप्राय है? 1

(घ) 'मन में घुमड़ना' मुहावरे का प्रयोग करते हुए सार्थक वाक्य बनाइए। 1

अथवा

भारतीय संस्कृति से रामन् को हमेशा ही गहरा लगाव रहा। उन्होंने अपनी भारतीय पहचान को हमेशा अक्षुण्ण रखा। अंतराष्ट्रीय प्रसिद्धि के बाद भी उन्होंने अपने दक्षिण भारतीय पहनावे को नहीं छोड़ा। वे कट्टर शाकाहारी थे और मदिरा से सख्त परहेज रखते थे। जब वे नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने स्टॉकहोम पार्टी में जब उन्होंने शराब पीने से इनकर किया तो एक आयोजक ने परिहास में उनसे कहा कि रामन् ने जब अल्कोहल पर रामन् प्रभाव का प्रदर्शन कर हमें आह्लादित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, तो रामन् पर अल्कोहल के प्रभाव का प्रदर्शन करने से परहेज़ क्यों?

(क) रामन् पर भारतीय संस्कृति का गहरा प्रभाव था- सिद्ध करें। 2

(ख) स्टॉक होम में रामन प्रभाव का प्रदर्शन किस पर किया गया? 1

(ग) आयोजकों ने परिहास में रामन् से क्या कहा? 1

(घ) गद्यांश में से 'प्र' उपसर्ग व 'इत' प्रत्यय युक्त शब्द छाँटकर लिखिए। 1

प्र014 (क) अग्निपथ कविता का संदेश अपने शब्दों में लिखिए। 2

(ख) सुखिया के पिता पर कौन से आरोप लगाकर 3 से दंडित किया गया? 2

(ग) 'नए इलके में' कविता क्या बोध कराती है? 1

प्र015 लेखक को किताबें पढ़ने व सहेजने का शौक कैसे लगा? 3

अथवा

BookKitab Same textbooks, Hacktaway

लेखक की किस विशेषता का पता चलता है?

प्र016 "यह धर्मशाला है, चलकर पूरी करूँगा"– यह कथन गाँधीजी की किस विशेषता को प्रकट करता है? 2

खंड - घ

प्र017 दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में कोई एक अनुच्छेद लिखिए– 5

सबसे प्यारा, देश हमारा
भूमिका
सोने की चिड़िया भारत
समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा
विभिन्न विशेषताएँ
वर्तमान दशा

(ख) बढ़ती आबादी, घटते वन
आबादी की दृष्टि से भारत का विश्व में स्थान
प्रकृति पर प्रभाव
दूरगामी परिणाम
समस्या के समाधान हेतु सुझाव

(ग) मधुर वचन है औषधि, कटुक वचन हैं तीर
सूक्ति का अर्थ व वाणी का महत्त्व
विभिन्न उदाहरण
कटु वाणी का नकारात्मक प्रभाव
मधुर वाणी का सकारात्मक प्रभाव

प्र018 जीवन में हर कदम पर आत्मविश्वास की महत्ता बताते हुए छोटे भाई को पत्र लिखिए। 5

अथवा

आपकी माताजी बीमार हैं, उनके प्रति चिंता प्रकट करते हुए माताजी को पत्र लिखिए।

Zookitab Same textbooks, kitab away

कक्षा - नवीं

विषय - हिंदी (ब) SA – II

उत्तर संकेत (बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर)

खंड - क

प्र01 अपठित गद्यांश 5

(i) क – मनोविनोद, शारीरिक स्फूर्ति व मानसिक शांति
(ii) ख – एक-दूसरे तक पहुँचने के लिए
(iii) क – जलचरों द्वारा
(iv) घ – निरंतर अभ्यास से प्राप्त क्षमता
(v) ग – विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त होने से

(i) ख - प्लेग
(ii) घ - लोगों को उनके पाप का दंड मिल रहा है
(iii) ग - ईश्वर के कार्य में बाधा
(iv) घ - पुण्य का कार्य
(v) घ - पाप और पुण्य

प्र03 अपठित काव्यांश 5

(i) ख - जीवन पथ
(ii) घ - व्यावहारिक अनुभव से
(iii) घ - महापुरुषों की ओर
(iv) क - सकारात्मक सोच से
(v) ख - दुविधा ग्रस्त होने से

प्र04 अपठित काव्यांश 5

(i) ख - पराधीनता का जीवन
(ii) ख - राजतंत्र की ओर
(iii) ग - भाग्यवादी
(iv) घ - मनुष्य के परिश्रम व साहस से
(v) ग - विद्रोह करो।

खंड - ख

प्र05

(i) क क् + ऋ + त् + र् + इ + म् + अ 1
(ii) ख ब् + इ + र् + उ + द् + ध् + अ 1
(iii) क सम् 1
(iv) घ लिखावट 1

प्र06 1

(i) घ - चिराग 1
(ii) घ - दहन 1
(iii) ख - बहिरंग 1
(iv) ग - सार्वजनिक

प्र07

(i) घ - पानी, जलनां 1
(ii) ख - प्रयोग 1
(iii) ग - अतिशयोक्ति 1
(iv) घ - युगों से चला आने वाला 1

प्र08

(i) ख - रामन् के पिता 1

Zoopkitab Same textbooks, klick away

(iii)	ग	–	मानसून आते ही तेज वर्षा आरंभ हो गई	1
(iv)	घ	–	''कामायनी'' पुस्तक जयशंकर प्रसाद ने लिखी थी।	1

प्र09

(i)	ग	–	माँ ने कहा, ''राहुस, पढ़ते-पढ़ते खाना खा लो।''	1
(ii)	घ	–	विस्मयवाचक	1
(iii)	ग	–	गहरा प्रभाव पड़ना	1
(iv)	ख	–	जोड़ न होना	1

खंड – ग

प्र010 5

(i)	ग	–	बाल मजदूरों की ओर
(ii)	घ	–	अत्यधिक कार्य करना
(iii)	ख	–	अभाव व कष्ट में रहकर समाज को सुविधाएँ देना।
(iv)	घ	–	गंदे मुहल्लों में
(v)	ग	–	सामाजिक विषमताओं को उजागर करना

अथवा

5

(i)	ग	–	व्यथा के
(ii)	घ	–	तटों से बातचीत द्वारा
(iii)	ग	–	ईश्वर ने उसे बोलने की शक्ति नहीं दी
(iv)	ख	–	गुलाब-संसार को
(v)	ग	–	गीत – सगीत दोनों सुंदर हैं?

Kopykitab Same textbooks, klick away